हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा
विश्व पर्यावरण दिवस-2018 का आयोजन

....

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा सभागार में मूल विषय **"प्लास्टिक प्रदूषण को हराएँ"** पर आधारित **विश्व पर्यावरण दिवस -2018** के कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ किया गया। इस मौके पर संस्थान के सभी अधिकारी, कर्मचारी तथा शोधार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिसमें शिमला के विभिन्न सरकारी स्कूलों के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के आरम्भ में **श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख** , विस्तार प्रभाग ने मुख्य अतिथि तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, डॉ. वी.पी तिवारी, आमंत्रित विषय विशेषज्ञ, सभी उपस्थित स्कूल के छात्र व छात्राओं, अध्यापकों तथा संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का स्वागत किया। श्री नेगी ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने आये विभिन्न सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से अभिनंदन करते हुए कहा कि शिमला नगर निगम के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में अवकाश होने के बावजूद भी वे कार्यक्रम में भाग लेने आए, यह पर्यावरण सरंक्षण के प्रति उनके प्रतिबद्धतता एवं जागरूकता को परिलक्षित करता है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में संस्थान के निदेशक तथा इस समारोह के **मुख्य अतिथि, डॉ. वी. पी. तिवारी** ने उपस्थित समुदाय को पर्यावरण सरंक्षण की जागरूकता के प्रति शपथ दिलवाई।

इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए संस्थान के **वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. कुलराज सिंह कपूर** ने कहा कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है फिर भी हमें अलग से यह दिवस मनाकर पर्यावरण के संरक्षण , संवर्धन और विकास का संकल्प लेने की आवश्यकता है । यदि मानव समाज प्रकृति के नियमों का भलीभाँति अनुसरण करें तो उसे कभी भी अपनी मूलभूत आवश्यकताओं में कमी नहीं रहेगी । उन्होंने कहा कि वर्तमान युग औद्योगिकीकरण और मशीनीकरण का युग है । जहाँ आज हर काम को सुगम और सरल बनाने के लिए मशीनों का उपयोग होने लगा है , वहीं पर्यावरण को भी अत्यधिक क्षति हो रही है और परिणामस्वरूप प्रकृति कई आपदाओं का शिकार होती जा रही है । पर्यावरण के क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन को विश्व में एक ज्वलंत समस्या के रूप में देखा जा रहा है ।

डॉ. सुभाष चन्द्र गुप्ता, विषय-वस्तु विशेषज्ञ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकाश डालते हुए अपने उदबोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि इस वर्ष की विषय-वस्तु/ थीम, **"प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं"** पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के उपयोग का मुख्य कारण है कि यह सस्ता है तथा लम्बे समय तक चलता है। आज दैनिक प्रयोग में आने वाली छोटी से छोटी अथवा बड़ी से बड़ी वस्तुओं में प्लास्टिक का प्रयोग किया जाता है जो कि एक चिंता का

विषय है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्लास्टिक के प्रयोग को कम किया जाना समय की मांग है तथा इसके स्थान पर अन्य कारगर विकल्प तलाशने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अवक्षय (depletion) या नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र (fragile eco-system) की सुरक्षा हमारे उपभोग पर निर्भर करती है। उन्होंने पर्यावरण सरंक्षण से सम्बंधित उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं अनुभवों को भी साँझा किया।

कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि, डॉ. तिवारी वी. पी. तिवारी , निदेशक,** हिमालयन वन

अनुसंधान संस्थान, शिमला ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया जाता है तथा भारत 2018 विश्व पर्यावरण दिवस का वैश्विक मेजबान है। इस वर्ष के लिए विश्व पर्यावरण के आयोजन के लिए **"प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं"** विषय-वस्तु/ थीम निर्धारित की किया गया है। डॉ. तिवारी ने बताया कि पर्यावरण दो शब्दों से बना है परि + आवरण, जिसका अर्थ है बाहरी आवरण। यदि हमारा बाह्य आवरण स्वच्छ है, अच्छा है, तो हम स्वस्थ रहेंगे और इसके लिए हमें आस-पास के परिवेश को स्वच्छ रखना होगा। उन्होंने बताया कि सस्ता होने के कारण प्लास्टिक का अधिकाधिक प्रयोग किया जा रहा है तथा रोजमर्रा की दिन चर्या में प्रात: काल से प्लास्टिक टूथब्रश के प्रयोग से आरभ हो जाती है। अधिकतर प्लास्टिक का एक बार उपयोग कर हम भूमि पर फैंक देते हैं। प्लास्टिक के दुष्परिणामों की चर्चा करते हुए कहा कि प्लास्टिक की एक बोतल अवक्रमित होने में लगभग 500 वर्ष लग जाते हैं। उन्होंने बताया कि जो प्लास्टिक बह कर समुद्र में जाता है उससे लगभग दस लाख समुद्री पक्षी प्रतिवर्ष मर जाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में 40% प्रोटीन समुद्र तथा नदियों में पाई जाने वाली मछलियों से प्राप्त होता है, जिस प्रकार से प्लास्टिक नदियों तथा समुद्र में जा रहा है उससे तो यह अनुमान होता है कि वर्ष 2050 तक समुद्र में मछलियों से अधिक मात्रा प्लास्टिक की पाई जाएगी, जिससे भविष्य में खाद्यान्न समस्या उत्पन्न हो सकती है। प्लास्टिक के निराकरण के लिए उन्होंने तीन

सुझावे दिए यथा refuse (प्रतिषेध) – reuse (पुन: उपयोग) – recycle (पुनरावृत्ति करना)। उन्होंने स्कूल से आये अध्यापकों से आग्रह किया कि इस दिवस की सार्थकता सिद्ध करने लिए अपने स्तर पर प्रयास करें। आपके आस-पास जो भी नदी-नाले, पार्क, तालाब आदि हों उनकी स्वैच्छिक सफाई करवाने का बीड़ा उठाएं ताकि इससे समाज को भी प्रेरणा मिले।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा शिमला स्थित विभिन्न सरकारी स्कूलों में पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के इस वर्ष निर्धारित विषय वस्तु/ थीम, **“प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं ”** पर पोस्टर प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, छोटा शिमला के श्री राहुल ने प्रथम, राजकीय कन्या उच्च वरिष्ठ पाठशाला, पोर्टमोर, शिमला की कुमारी सुशान्तिका वर्मा ने द्वितीय तथा राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, बेओलिया, शिमला की कुमारी ललिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, लालपानी के श्री पुनीत ने प्रथम, राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, बेओलिया, शिमला की कुमारी गीतांजलि ने द्वितीय तथा राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, लालपानी के श्री शंकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि, डॉ. वी.पी. तिवारी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

…………………

कार्यक्रम की झलकियाँ

पोस्टर प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता

हि.व.अ.सं.

तृतीय
भाषण प्रतियोगिता
तृतीय
पोस्टर प्रतियोगिता

पुरस्कार वितरण

Beat Plastic Pollution
विश्व पर्यावरण दिवस

Beat Plastic Pollution
पर्यावरण दिवस

पर्यावरण दिवस
2018
Beat Plastic Pollution

Beat Plastic Pollution
दिवस

Beat Plastic Pollution
पर्यावरण दिवस
5 जून, 2018

Beat Plastic Pollution
पर्यावरण दिवस
5 जून, 2018

Beat Plastic Pollution
विश्व पर्यावरण दिवस

Beat Plastic Pollution
पर्यावरण दिवस
2018

निदेशक द्वारा मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट

कार्यक्रम के अंत में **श्री अश्वनी कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी** ने मुख्य

अतिथि तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, डॉ. वी.पी तिवारी, आमंत्रित विषय विशेषज्ञ, सभी उपस्थित स्कूल के छात्र व छात्राओं, अध्यापकों तथा संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए स्कूल के विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विजेताओं को बधाई दी।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून, 2018
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Beat Plastic Pollution

....

मीडिया कवरेज

भाषण में राहुल और पोस्टर स्पर्धा में पुनीत अव्वल

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कई प्रतियोगिताएं करवाई गईं, जिसमें शिमला के विभिन्न सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके बाद विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। भाषण प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छोटा शिमला के राहुल ने प्रथम, कन्या पाठशाला पोर्टमोर की कुमारी सुशांतिका वर्मा ने दूसरा और ब्यूलिया की कुमारी ललिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में लालपानी के पुनीत ने प्रथम, ब्यूलिया की कुमारी गीतांजलि ने दूसरा तथा राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला लालपानी के शंकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। इससे पहले संस्थान के निदेशक तथा समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. वीपी तिवारी ने उपस्थित समुदाय को पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता के प्रति शपथ दिलवाई। तिवारी ने कहा कि पर्यावरण दो शब्दों से बना है परि और आवरण जिसका अर्थ है बाहरी आवरण। कहा कि हमें आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखना होगा। उन्होंने अध्यापकों से आग्रह किया कि इस दिवस के उपलक्ष्य में आसपास के नदी-नाले, पार्क, तालाब आदि की सफाई की जाए। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुलराज सिंह कपूर और विषय विशेषज्ञ डॉ सुभाष चन्द्र गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किए। ब्यूरो

केन्द्रीय लोक

अमर उजाला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर पोस्टर व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें शिमला के विभिन्न सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर एस.एफ.डी. की वि.वि. इकाई द्वारा विश्वविद्यालय कैंपस में सफाई अभियान चलाया गया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 06 J
epaper.pu

शिमला : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता मुख्यातिथि के साथ संयुक्त चित्र में। नरेश

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 06 June 2018
epaper.punjabkesari.in/c/29286174

एचएफआरआई की ओर से कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दैनिक भास्कर

राहुल का भाषण सबसे बेहतर

राज्य ब्यूरो, शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएं करवाई गईं। भाषण प्रतियोगिता में राजकीय उच्च पाठशाला छोटा शिमला के राहुल प्रथम, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पोर्टमोर की सुशांतिका वर्मा द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बेओलिया की ललिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लालपानी के पुनीत ने प्रथम, बेओलिया की गीतांजलि ने द्वितीय व लालपानी के शंकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. वीपी तिवारी ने पुरस्कार बांटे।

दैनिक जागरण

भाषण प्रतियोगिता में राहुल फर्स्ट

शिमला – हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी शिमला में मंगलवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2018 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिमला स्थित विभिन्न सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों में प्रतियोगिताएं करवाई गईं। कार्यक्रम में सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख ने बतौर मुख्यातिथि और हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, डा. वीपी तिवारी, विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की अगवाई में होने वाला विश्व स्तर का कार्यक्रम है। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान के निदेशक और इस समारोह के मुख्य अतिथि, डॉ. वीपी तिवारी ने उपस्थित समुदाय को पर्यावरण सरंक्षण की जागरूकता के प्रति शपथ दिलवाई। इस दौरान सरकारी स्कूलों में पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं पर पोस्टर प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसमें भाषण प्रतियोगिता में राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, छोटा शिमला के राहुल ने प्रथम, राजकीय कन्या उच्च वरिष्ठ पाठशाला, पोर्टमोर, शिमला की सुशांतिका वर्मा ने द्वितीय और राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, बेओलिया, शिमला की कुमारी ललिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, लालपानी के पुनीत ने प्रथम, राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, बेओलिया, शिमला की गीतांजलि ने द्वितीय और राजकीय उच्च वरिष्ठ पाठशाला, लालपानी के शंकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को इस दौरान पुरस्कार दिए गए।

दिव्य हिमाचल